पद २६ (हिंदी)

गुरुजी तोरे पैंयापे सीस धरूं ।।ध्रु.।। मेरे तनका चाम निकासके।

चरण पन्हयां करूं ।।१।। तोरे नाम का ध्यान धरूं मै। तोरे काज

मरूं।।२।। माणिक कहे तोरी मूरत स्वामी। नयनन बीच धरूं।।३।।

(राग: यमन जिल्हा - ताल: त्रिताल)